



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 220]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 14, 2001/श्रावण 23, 1923

No. 220]

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 14, 2001/SRAVANA 23, 1923

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

प्रारंभिक जांच संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 अगस्त, 2001

विषय : ताईवान, हांगकांग, इंडोनेशिया, ओमान, यूएई, सिंगापुर तथा थाईलैंड से बाइएक्सली ओरिएन्टेड पोली प्रोपीलीन फिल्म (बी ओ पी पी) के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरुआत।

सं. 21/1/2001-डीजीएडी.— भारत सरकार वर्ष 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम 1995 को ध्यान में रखते हुए:

क. प्रक्रिया

1. जांच के संबंध में नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है:-

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) को नियमों के तहत घरेलू उद्योग की ओर से मै. बीओपीपी फिल्म उत्पादक परिसंघ, नौएडा, उत्तर प्रदेश मार्फत फ्लेक्स इंडस्ट्रीज लि०, ए-1 सैक्टर-16, नौएडा-201301 से लिखित आवेदन प्राप्त हुआ था जिसमें ताईवान, हांगकांग, इंडोनेशिया, ओमान, यूएई, सिंगापुर तथा थाईलैंड (जिन्हें इसके बाद संबद्ध देश कहा गया है) की मूल की अथवा वहां से निर्यातित बीओपीपी फिल्म के पाटन का आरोप लगाया गया है।

- (ii) प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर संबद्ध देशों से बीओपीपी फिल्म के आयातों के खिलाफ जांच शुरू करने का निर्णय लिया। प्राधिकारी ने उक्त नियमों के उप-नियम 5(5) के अनुसार जांच की कार्रवाई शुरू करने से पहले पाटन के आरोप की प्राप्ति के विषय में संबद्ध देशों के दूतावासों तथा नई दिल्ली स्थित ताईपेई के आर्थिक और सांस्कृतिक केन्द्र को सूचित किया।
- (iii) प्राधिकारी ने दिनांक 30 मई 2001 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण, में प्रकाशित किया गया जिसके द्वारा संबद्ध देशों के मूल की बीओपीपी फिल्म, जो सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की अनुसूची-1 के शीर्ष 3920.20 तथा भारतीय व्यापार वर्गीकरण (सुमेलित वस्तु विवरण एवं कोडिंग प्रणाली पर आधारित) के शीर्ष 3920.20.00 के तहत वर्गीकृत है, के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू की गई।
- (iv) प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की प्रति सभी ज्ञात निर्यातकों, जिनका विवरण याचिकाकर्ताओं और उद्योग परिसंघों द्वारा उपलब्ध करवाया गया था को भेजी और नियम 6(2) के अनुसार उन्हें लिखित रूप में अपने दृष्टिकोण प्रस्तुत करने का अवसर दिया।
- (v) प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तु के सभी ज्ञात आयातकों को सार्वजनिक सूचना की प्रति भेजी और उन्हें सलाह दी कि वे पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराएं।
- (vi) केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क बोर्ड (सी बी ई सी) से भी अनुरोध किया गया कि जांच की अवधि सहित पिछले 3 वर्षों के दौरान किए गए बीओपीपी फिल्म के आयातों के ब्यौरे प्रस्तुत करें।
- (vii) प्राधिकारी ने उक्त नियम 6(3) के अनुसार याचिका की प्रतियां भारत स्थित ताईपेई आर्थिक एवं सांस्कृतिक केन्द्र तथा संबद्ध देशों के दूतावासों और ज्ञात निर्यातकों को उपलब्ध करवाई।
- (viii) प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार अपेक्षित जानकारी प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी:

1. मै. ट्राइस सेंदोसा पीटी, इंडोनेशिया
 2. मै. अर्ध कार्य प्राइमा इंडस्ट्री पीटी
 3. मै. पोलीदयागुणा परकासा पीटी
 4. मै. फार्मापोलिंडो नुसा इंडस्ट्री पीटी
 5. मै. आई एन ए मल्टी इंटीपैक पीटी, इंडोनेशिया
 6. मै. जीनियस ड्रैगन इंडस्ट्रियल लि०., हांगकांग
 7. मै. ओमैप प्लास्टिक इंडस्ट्री एलएससी, ओमान
 8. मै. अल खालजी पोलीप्रोपीलीन प्रोडक्ट कंपनी, ओमान
 9. मै. कैसर्स इंटरनेशनल कारपोरेशन, ताईवान
 10. मै. चीयूई लिन प्लास्टिक कं. लि., ताईवान
 11. मै. सीनियर टेकनोलोजी पीटीई लि., सिंगापुर
 12. मै. टोयो पैकिंग इंडस्ट्रियल पीटीई लि., सिंगापुर
 13. मै. आज प्लास्टिक पब्लिक लि०, थाईलैंड
 14. मै. थाई फिल्म इंडस्ट्रीज पब्लिक कं. लि., थाईलैंड
 15. मै. दुवई पोलीफिल्म लि., यूएई
- (ix) नई दिल्ली स्थित ताईफैड आर्थिक एवं सांस्कृतिक केंद्र तथा नई दिल्ली स्थित संबद्ध देशों के दूतावासों को नियम 6(2) के अनुसार जांच की शुरुआत के बारे में इस अनुरोध के साथ सूचित किया गया था कि वे अपने-अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नावली का जवाब निर्धारित समय के भीतर देने की सलाह दे। निर्यातकों को भेजे गए पत्र, याचिका तथा प्रश्नावली की प्रति भी संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों एवं उत्पादकों की सूची के साथ उन्हें भेजी गई।
- (x) नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए भारत में बीओपीपी फिल्म के निम्नलिखित आयातकों को प्रश्नावली भेजी गई:-
1. मै. सघी इंडस्ट्रीज, संधी नगर, आंध्र प्रदेश

2. मै. आर.थंगराजन एंड कं., शिवकाशी
3. मै. एसेम टेकनोलीजीज (प्रा.)लि., चैन्नई
4. मै. पूजा इंटरप्राइजेज, चैन्नई
5. मै. अभीन पॉलीफिल्म, अहमदाबाद
6. मै. ट्रिनिटी ट्रेड, अहमदाबाद
7. मै. निरमा लि0, अहमदाबाद
8. मै. स्वाति पॉलीमर, पाली
9. मै. शिखा पीकेजी, पाली
10. मै. जुर्जान इंडस्ट्रीज, जबलपुर
11. मै. नवकर एजेंसीज
12. मै. गुजरात पोलीमर्स, मुम्बई
13. मै. जगमग डेकोरेटिव्स प्रोडक्ट प्रा.लि., मुंबई
14. मै. मेक्सिम एडहेसिव टेप्स प्रा.लि., मुंबई
15. शांति पत्र प्लास्टिक्स प्रा.लि., दमन
16. मै. एलमेक इंडस्ट्रीज, दमन
17. मै. विंडसोर पैकेजिंग प्रा.लि., रोपड़
18. मै. महालक्ष्मी पैकेजिंग, नौएडा
19. मै. रीलाएबल इंसुपैक्स प्रा. लि., गौतमबुद्धनगर
20. मै. विमल हाईटेक प्रा.लि., जी टी रोड
21. मै. एस.बी. पैकेजिंग्स लि., नई दिल्ली
22. मै. वैकमेट पैकेजिंग (आई) प्रा.लि., आगरा
23. मै. नटराज एलबम इंडिया प्रा.लि., दिल्ली
24. मै. सुपर कैसेट्स इंडस्ट्रीज लि., नौएडा
25. मै. स्वन कंट्रोल सिस्टम, नई दिल्ली
26. मै. रोलाटेनर्स लि., नौएडा
27. मै. टीना सेल्स कारपोरेशन, नई दिल्ली

- (xi) याचिकाकर्ता से क्षति के बारे में अतिरिक्त सूचना मांगी गई थी जिसे भी प्राप्त कर लिया गया ।
- (xii) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश को एक सार्वजनिक फाइल के रूप में खुला रखा और इसे हितबद्ध पार्टियों द्वारा निरीक्षण के लिए उपलब्ध करवाया ।
- (xiii) प्राधिकारी ने जांच के लिए आवश्यक समझी गई सूचना की मांग की और उसका सत्यापन किया ।
- (xiv) प्राधिकारी ने लागत जांच (प्राप्त सूचना के आधार पर) भी की और सामान्य स्वीकृत लेखा सिद्धांत के आधार पर उत्पादन की इष्टतम लागत/भारत में इसके निर्माण तथा बिक्री की लागत का आकलन किया ।
- (xv) इस जांच में दिनांक 1 अप्रैल 1999 से 30 सितम्बर 1999 (18 महीने) की अवधि शामिल है ।
- (xvi) इस अधिसूचना में आया *** चिन्ह किसी हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना को दर्शाता है और प्राधिकारी द्वारा नियमों के तहत ऐसा ही माना गया है ।

ख. याचिकाकर्ता के विचार

- 2.1 याचिकाकर्ताओं ने यह कहा है कि घरेलू उद्योग को पिछले कुछ समय से भारतीय बाजार में हो रहे बीओपीपी फिल्म के पाटन का पता चला है ।
- 2.1.1 संबद्ध देशों के निर्यातक भारतीय बाजार में इस उत्पाद की बिक्री भारतीय उत्पादकों की बिक्री कीमत से काफी कम कीमत पर कर रहे हैं । याचिकाकर्ताओं ने यह भी कहा है कि वे अपने उत्पादों को अपनी कीमतें बढ़ा कर बेचने में समर्थ नहीं रहे हैं । उद्योग की लाभप्रदता में गंभीर रूप से ह्रास हुआ है ।
- 2.1.2 उन्होंने यह दोहराया है कि ताईवान, यूएई, ओमान ज्ञात गैर-बाजार अर्थ-व्यवस्थाएं हैं और इसलिए सामान्य मूल्य का निर्धारण दिनांक 31.5.2001 की सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 28/2001(एन टी) के द्वारा संशोधित नियमों के आधार पर किया जाए ।
- 2.1.3 याचिकाकर्ता ने स्पष्ट किया है कि बी ओ पी पी उत्पादनकर्ता एसोसिएशन को "बी ओ पी पी विनिर्माताओं की एसोसिएशन" के रूप में पढ़ा जाए ।

ग. निर्यातकों, आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

3.0 निर्यातक/आयातक

- 3.1.1 थाई फिल्म इंडस्ट्रीज पब्लिक कं.लि., थाईलैंड निर्यातको ने कहा है कि जांच अवधि के दौरान उनके उत्पाद, बीओपीपी फिल्म की भारत में विक्री सामान्य कीमत के उसी स्तर पर की गई थी जिस स्तर पर एशियाई देशों में इसकी विक्री की गई थी ।
- 3.1.2 यूरोप, यूएसए तथा आस्ट्रेलिया को निर्यात किए गए उत्पाद की कीमत इस उत्पाद के लिए स्वीकृत कीमत थी । बीओपीपी फिल्म की न्यूनतम कीमत हांगकांग तथा चीन में थी जो भारतीय निर्यात कीमत से काफी कम थी लेकिन यह बड़ी मात्रा में थी । इस बात का आरोप लगाना कि भारत में पाटन हुआ है, सही नहीं है और यह उन तथ्यों पर आधारित नहीं है जो जांच अवधि के दौरान वारतविक रूप से धटित हुआ है ।

3.1.3 निर्यातकों ने भी यह उल्लेख किया है कि वे 10 वर्षों से अधिक समय से बी ओ पी पी फिल्म के विश्व स्तर के निर्यातक हैं और उन्हें भारत को विश्व बाजार से सस्ती कीमत पर बी ओ पी पी फिल्म बेचने का कोई प्रयोजन अथवा लाभ नहीं है ।

3.1.4 उन्होंने यह भी उल्लेख किया है कि वे प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी कार्रवाई किए जाने से पूर्णतः असहमत हैं और उन्हें अपनी तरफ से आगे कोई कार्रवाई करने में कोई रुचि नहीं है।

3.2.0 ए जे प्लास्ट पब्लिक कं. लि., थाइलैंड ने यह बतलाया है कि जांच अवधि के दौरान उन्होंने भारतीय बाजार में किसी भी प्रकार की फिल्मों की कभी भी आपूर्ति नहीं की है ।

3.3.0 मै0 अल खलिज पोलीप्रोपलीन प्रोडक्ट्स कं. (एस ए ओ जी), ओमान तथा मै0 दुबई पोलीफिल्मस एल एल सी, दुबई ने निर्धारित प्रश्नावली में उत्तर प्रस्तुत करने के लिए समय बढ़ाने का अनुरोध किया था । निर्दिष्ट प्राधिकारी ने निर्यातकों को 20 जुलाई, 2000 को अथवा उससे पहले उत्तर प्रस्तुत करने की अनुमति प्रदान की थी । दोनों निर्यातकों ने निर्धारित प्रपत्र में और निर्धारित ढंग से सूचना प्रस्तुत नहीं की है ।

3.4.0 मै0 कैसर इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन, ताईवान

निर्यातक ने जो सूचना प्रस्तुत की है, वह समग्र रूप से अपर्याप्त है। प्राधिकारण यह नोट करते हैं कि परिशिष्ट 1 से 8 में कई कॉलम पूरे नहीं भरे गए हैं और उक्त सूचना निर्धारित प्रपत्र में एवं तरीके से प्रस्तुत नहीं की गई है। इन हालातों में प्राधिकारी न प्रारंभिक निष्कर्षों के प्रयोजनार्थ प्रस्तुत की गयी सूचना पर विचार नहीं किया है।

3.5.1 महानिदेशक, उद्योग एवं अंतर्राष्ट्रीय व्यापारिक सहयोग, उद्योग एवं व्यापार मंत्रालय, इंडोनेशिया, जकार्ता

जहाँ तक इस जांच में याचिकाकर्ताओं की स्थिति का संबंध है, उन्होंने यह उल्लेख किया है कि एसोसिएशन ने उक्त याचिका केवल दो उत्पादनकर्ताओं, जो भारत में उत्पादन के 50 % से अधिक का प्रतिनिधित्व करते हैं, की ओर से दायर की है और उन्होंने काबरा प्लास्टिक्स को सशर्त जाँच से अलग रखे जाने के प्रति अपनी आशंका जाहिर की है क्योंकि वे संबद्ध वस्तु के आयातक हैं।

3.5.2 सामान्य मूल्य के संबंध में उन्होंने उल्लेख किया है कि इंडोनेशिया के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण के संबंध में कोई साक्ष्य अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है।

3.5.3 उन्होंने उल्लेख किया है कि शिकायतकर्ता के उद्योग संबंधी संकेतकों की समीक्षा से यह पता चलता है कि उद्योग भली-भांति कार्य कर रहा है । हालांकि यह आरोप लगाया गया है कि कथित पाटित आयातों की वजह से समग्र बिक्री प्राप्ति प्रभावित हुई थी तथापि यह अस्पष्ट है कि क्या शिकायतकर्ता को कम लाभ प्राप्त हुआ अथवा वित्तीय घाटा उठाना पड़ा।

3.5.4 भारत में बी ओ पी पी क्षेत्र के बारे में उपलब्ध स्वतंत्र रिपोर्टों में निर्यात बाजार के क्लिनीकल स्वरूप के कारण पुरातन अधिक क्षमता की स्थिति बिगड़ने का उल्लेख किया गया है ।

3.6.1 विदेश व्यापार विभाग, थाइलैंड

उन्होंने उल्लेख किया है कि याचिकाकर्ता घरेलू बाजार अथवा निर्यात बाजार के लिए प्रामाणिक साक्ष्य प्राप्त करने में समर्थ नहीं रहा है । विदेश व्यापार विभाग ने निवेदन किया है कि संबद्ध वस्तुओं के लिए थाइलैंड का बाजार पारदर्शी है और कीमत संबंधी सूचना तुरंत उपलब्ध होती है ।

3.6.2 विदेश व्यापार विभाग ने उल्लेख किया है कि याचिका बी ओ पी पी एसोसिएशन की ओर से दायर की गयी है जो कि बी ओ पी पी फिल्म की भारतीय उत्पादन क्षमता के लगभग 92 % को कवर करती है, तथापि याचिकाकर्ता का हिस्सा कुल उत्पादन का केवल 50 %

ही बनता है। इसके अतिरिक्त, मै0 काबरा प्लास्टिक्स लि0 को अलग रखा गया है क्योंकि यह संबद्ध वस्तुओं का एक आयातक है।

3.6.3 यह आरोप अस्पष्ट है कि पाटित आयातों के कारण शिकायतकर्ता को वित्तीय घाटा बढ़ा है क्योंकि कुछ मापदण्ड यह दर्शाते हैं कि बिक्री एवं उत्पादन में वृद्धि हुई है। विदेश व्यापार विभाग ने निर्दिष्ट प्राधिकारी से कारणात्मक संबंध स्थापित करने में सभी कारकों की गहन जांच करने का अनुरोध किया है। चूंकि वे महसूस करते हैं कि यह समस्या भारतीय उद्योग में क्षमता से अधिक उत्पादन तथा शिकायतकर्ता की बाजार की स्थितियों के प्रति अनुकूलन की कमी में निहित है।

3.7.0 एडहेसिव टेप मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन (ए टी एम ए) मुम्बई

एसोसिएशन ने बताया है कि उनका संबंध एडहेसिव टेप के विनिर्माण के लिए उपयुक्त उस बी ओ पी पी फिल्म से है जिसकी मोटाई 22 से 30 माईक्रॉन तक की होती है। बी ओ पी पी फिल्म एडहेसिव टेप ग्रेड की फिल्म के लिए प्रमुख कच्चा माल है और इसकी पूर्ति मुख्यतः भारतीय विनिर्माताओं द्वारा की जाती है।

3.7.1 एसोसिएशन ने बी ओ पी पी फिल्म (एडहेसिव टेप ग्रेड) को पाटनरोधी जांच के दायरे से बाहर रखने का अनुरोध किया है क्योंकि देश में बी ओ पी पी फिल्म (एडहेसिव टेप ग्रेड)

का बहुत कम आयात होता है। एसोसिएशन ने अनुरोध किया है कि उन्हें वर्तमान जांच में हितबद्ध पक्ष बनाया जाए।

3.8.1 मैक्जिम एडहेसिव टेप प्रा0 लि0, मुम्बई

आयातकों ने अनुरोध किया है कि बी ओ पी पी फिल्म पर पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया जाना चाहिए। आयातकों ने यह उल्लेख किया है कि बी ओ पी पी फिल्म के स्थानीय विनिर्माता आयातित सामग्री से सस्ती दरों पर बिक्री कर रहे हैं।

3.8.2 बी ओ पी पी फिल्म के बाजार में 20 % प्रति वर्ष से अधिक की नियमित गति से वृद्धि हुई है। 1999 से विनिर्माताओं द्वारा कोई क्षमता वृद्धि नहीं की गयी है। इस क्षेत्र में कोई नई क्षमता वृद्धि अप्रैल, 2002 से पहले शुरू होने की संभावना नहीं है।

3.8.3 आयातकों ने यह भी आरोप लगाया है कि स्वदेशी विनिर्माताओं ने एक उत्पादक संघ बना लिया है जो समय-समय पर संबद्ध वस्तुओं की कीमत का निर्धारण करता है।

3.9.0 नटराज एल्बम इंडस्ट्रीज प्रा0 लि0

आयातकों/उपयोक्ताओं ने यह उल्लेख किया है कि उक्त देशों द्वारा भारत में बी ओ पी पी फिल्मों के पाटन का कोई मामला प्रतीत नहीं होता है और बी ओ पी पी फिल्म पर पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध वस्तुओं के उपभोक्ताओं के हित को नुकसान पहुँचेंगा।

3.10 प्राधिकारी द्वारा जांच

एडहेसिव टेप मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन, मुम्बई द्वारा बी ओ पी पी फिल्म (एडहेसिव ग्रेड) को बाहर रखने के दावे के संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि एसोसिएशन ने विचार हेतु अपने अभ्यावेदन में अपने दावे की पुष्टि करने के लिए कोई स्पष्ट साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है। इन हालातों में प्राधिकारी अंतिम निर्धारण होने तक प्रारंभिक निष्कर्षों के उद्देश्य से इसे छोड़ने पर विचार करना उचित नहीं समझते हैं।

4.0 विचाराधीन उत्पाद

4.1.1 इस याचिका में विचाराधीन उत्पाद जिसका ताईवान, हांककांग, इंडोनेशिया, ओमान, सिंगापुर, थाईलैंड तथा यू ए ई से कथित तौर पर पाटन किया जा रहा है, बाइएक्सली ओरिएंटल पोली प्रोपीलीन फिल्म है जिसे बाजार की भाषा में आम तौर पर बी ओ पी पी फिल्म के रूप में जाना जाता है और वर्तमान जांच में इसका बी ओ पी पी फिल्म के रूप में उल्लेख किया गया है। बी ओ पी पी फिल्म पोली प्रोपीलीन से निर्मित एक हाई परफॉरमेंस बाइएक्सली ओरिएंटल, स्पेशल फिल्म है। बी ओ पी पी फिल्म का उत्पादन भिन्न-भिन्न किस्मों और प्रकारों में किया जाता है जिनका इस्तेमाल व्यापक अंतिम उपयोग संबंधी अनुप्रयोगों में किया जाता है। बी ओ पी पी फिल्म का उत्पादन, उत्पादन के भिन्न-भिन्न तरीकों द्वारा किया जाता है जिन्हें कई तकनीकी विशेषताओं से अलग किया जाता है जिनमें शामिल हैं फिल्म की मोटाई और चौड़ाई, फिलरों की फीडिंग प्रक्रिया और फार्मूला, उत्पादन पर्यावरणिक स्थितियाँ एवं ऑन-लाइन कोटिंग अथवा सह-निष्काशन जैसी कुछ विशिष्ट क्षमताएं। मुख्यतः लाईन क्षमताओं के सम्मिश्रण पर निर्भर करते हुए बी ओ पी पी फिल्म कमोडिटी टाइप अथवा स्पेशलिटी टाइप की हो सकती है।

4.1.2 फिल्म की मोटाई तथा उद्दिष्ट उपयोग के बीच संबंध रहता है किन्तु उपयोगों के अलग-अलग क्षेत्रों के संबंध में अन्य मापदण्ड भी संगत हैं। सामान्य रूप से बी ओ पी पी फिल्म की कुछेक श्रेणियाँ जो कि एक अथवा अधिक विशेष उपयोग क्षेत्र के लिए होती हैं, को

शामिल करने के लिए उत्पादन लाईमें तैयार की जाती हैं । अतः आपूर्ति संबंधी प्रतिस्थापनीयता के विचार से बी ओ पी पी फिल्म बाजार बी ओ पी पी फिल्म उपयोग की विभिन्न श्रेणियों में विभक्त हो जाता है । मोटाई तथा चौड़ाई उपभोक्ता की जरूरत के हिसाब से परिवर्तनीय होती है और इसमें 4 गेज अथवा 1 माइक्रोन तक का अंतर हो सकता है । गेज अथवा माइक्रोन बी ओ पी पी फिल्म की मोटाई का एक संकेतक है । जितना ज्यादा गेज होगा, उतनी अधिक मोटाई होगी ।

4.1.3 बी ओ पी पी फिल्म का इस्तेमाल मुख्यतः पैकेजिंग उद्योग द्वारा किया जाता है । इसका प्रयोग मुख्यतः पैकेजिंग, एडहेसिव टेप, कैपेसिटर, सिंथेटिक कागज, मेटेलाइजिंग, टैक्सटाइल आउटरैपिंग, लैमिनेशन, रिवर्स प्रिंटिंग, टिक्स्ट रैपिंग, सिगरेट टैपिंग इत्यादि में किया जाता है ।

4.1.4 बी ओ पी पी फिल्म के सामान्य गुण-धर्मों का उल्लेख इसकी मोटाई, ग्रामेज, फिल्म, घनत्व, हेज, टेंसिल स्ट्रेंथ, इलॉगेशन ऑफ ब्रेक, मॉड्यूलस ऑफ इलास्टिसिटी इत्यादि के रूप में किया जाता है ।

- 4.1.5 बीओपीपी फिल्म को निष्कासन (एक्सट्रूजन) प्रक्रिया द्वारा उत्पादित किया जाता है (बीओपीपी फिल्म के उत्पादन के लिए अपेक्षित मूल कच्ची सामग्री पोली प्रोपीलिन है) ।
बीओपीपी फिल्म प्राप्त करने के लिए पोली प्रोपीलिन का निष्कासन किया जाता है ।

5.0 समान वस्तु:

समान वस्तु की परिभाषा का उल्लेख निम्नानुसार है :-

"समान वस्तु का तात्पर्य ऐसी किसी वस्तु से है जो सभी प्रकार से भारत में पाटित किए जा रहे जांचाधीन उत्पाद के समान अथवा सदृश्य हो अथवा ऐसी किसी वस्तु के अभाव में ऐसी अन्य वस्तु से है, जो यद्यपि हर तरह से समान नहीं है, लेकिन जिसकी विशेषताएं जांचाधीन वस्तु की विशेषताओं से अत्यधिक मेल खाती हो । "

5.1 भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित बीओपीपी फिल्म और सम्बद्ध देशों से निर्यातित बीओपीपी फिल्म में कोई खास अन्तर नहीं है । भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित बीओपीपी फिल्म तथा सम्बद्ध देशों से आयातित फिल्म की विशेषताएं जैसे भौतिक एवं रासायनिक विशेषताएं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण के अनुसार तुलनीय हैं । ये दोनों एक दूसरे से अत्यधिक मेल खाती हैं । ये दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से स्थानापन्न हैं । उपभोक्तों ने इन दोनों का उपयोग एक दूसरे के स्थान पर किया है । याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित बीओपीपी फिल्म को पाटनरोधी नियमों के अनुसार सम्बद्ध देशों से आयातित बीओपीपी के समान वस्तु माना जाना चाहिए ।

छ. घरेलू उद्योग:

6.1 यह याचिका घरेलू उद्योग की ओर से मै0 बीओपीपी फिल्म प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन नई दिल्ली द्वारा दायर की गई है । याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि भागीदार इकाइयों अर्थात् मै0 फ्लैक्स इंडस्ट्रीज लि0, दिल्ली और मै0 गुजरात प्रोपैक लि0, बड़ौदा का जांच की अवधि के दौरान हुए उत्पादन में अधिकांश हिस्सा बनता है । याचिकाकर्ता ने उल्लेख किया है कि मै0 काबरा

प्लास्टिक्स लि०, जो कि बीओपीपी फिल्म का एक उत्पादक है, सम्बद्ध वस्तु का एक प्रमुख आयातक है और साथ ही साथ वह सम्बद्ध वस्तु के एक प्रमुख आयातक से भी संबंधित है। इस प्रकार, भागीदार कम्पनियों भारतीय पाटनरोधी नियमों के अर्थों के भीतर घरेलू उद्योग है और उपरोक्त नियमों के अन्तर्गत घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर करने की पात्रता को पूरा करती हैं।

6.2 उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि याचिकाकर्ता नियमों के तहत घरेलू उद्योग की ओर से याचिका प्रस्तुत करने की स्थिति में है।

ज. पाटन:

7.1.0 धारा 9क(1) (ग) के अधीन किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है:

- (i) सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तु के लिए उप-धारा (6) के अन्तर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिश्चित तुलनात्मक मूल्य जबकि ऐसी वस्तु निर्यातक देश या क्षेत्र में उपभोग के लिए आशयित हो, या
- (ii) जहां निर्यातक देश या क्षेत्र के स्वदेशी बाजार में सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तु की कोई बिक्री नहीं हो या विशेष बाजार दशा के कारण अथवा निर्यातक देश या क्षेत्र के स्वदेशी बाजार में बिक्रिया की कम मात्रा के कारण, ऐसी बिक्रियों की समुचित तुलना नहीं हो सकती हो, तो सामान्य मूल्य या तो:-

(क) निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से आयात किये जाने पर समान वस्तु का उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिश्चित तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य; या

(ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिश्चित वस्तु मूल के देश में उक्त वस्तु के उत्पादन की लागत जिसमें प्रशासनिक बिक्री और सामान्य लागतों एवं लाभों के लिए उचित वृद्धि की गई हो।

बशर्ते कि उक्त वस्तु का आयात जब मूलता के देश से भिन्न अन्य किसी देश से किया गया हो तथा जहां वस्तु निर्यात के देश से केवल गुजरी हो या ऐसी वस्तु निर्यात के देश में उत्पादित नहीं होती हो या निर्यात के देश में उसका कोई तुलनात्मक मूल्य नहीं हो, तो इसके सामान्य मूल्य का निर्धारण, मूलता के देश में इसके मूल्य के संदर्भ में किया जाएगा ।

7.1 प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै0 थाइ फिल्म इंडस्ट्रीज पब्लिक कं0 लि0, थाइलैंड ने यह उल्लेख किया है कि वे पाटनरोधी जाँच से पूरी तरह असहमत हैं और उन्होंने संकेत किया कि उनकी ओर से आगे कार्रवाई करने में उनकी कोई दिलचस्पी नहीं है । इन परिस्थितियों में इस निर्यातक को इस जाँच के लिए असहयोगी माना गया है । इसके अलावा, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उत्तरदाता किसी भी निर्यातक ने निर्धारित प्रपत्र में और निर्धारित ढंग से प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है। अतः प्राधिकारी रिकार्ड में उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना के अनुसार कार्रवाई करने के लिए मजबूर हुए हैं ।

सामान्य मूल्य

7.2 याचिकाकर्ता का दावा है कि उनके लिए सम्बद्ध देशों में प्रचलित सामान्य मूल्य प्राप्त करना उन देशों की बाजार स्थितियों को ध्यान में रखते हुए संभव नहीं होगा । सामान्य मूल्य का निर्धारण सम्बद्ध वस्तु की उत्पादन लागत के आधार पर किया गया है जिसमें बिक्री खर्च, सामान्य खर्च तथा प्रशासनिक खर्च और उचित लाभ मार्जिन के लिए विधिवत समायोजन किया गया है ।

7.3 निर्धारित समय के भीतर निर्यातकों में से किसी निर्यातक से सहयोग न मिलने पर प्राधिकारी ने सम्बद्ध देशों में परिकलित सामान्य मूल्य के संबंध में याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावों और रिकार्ड में उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना पर भरोसा किया है । तदनुसार सामान्य मूल्य निम्नानुसार बैठता है:-

देश का नाम	यूएस डालर/प्रति किग्रा.
ताईवान	***
हांगकांग	***

इंडोनेशिया	***
ओमान	***
सिंगापुर	***
थाइलैंड	***
यू ए ई	***

7.4 याचिकाकर्ताओं ने जांच अवधि के लिए डीजीसीआई एंड एस, कलकत्ता द्वारा दी गई निर्यात कीमत उपलब्ध कराई है और उपरोक्त के आधार पर निर्यात कीमत का दावा किया है। याचिकाकर्ता ने कारखाना-गत निर्यात कीमत निकालने के लिए सीआईएफ कीमत के लिए निम्नलिखित समायोजनों का उल्लेख किया है अर्थात् समुद्री भाड़ा, उतराई प्रभार, समुद्री बीमा, कमीशन, अन्तर्राज्यीय भाड़ा तथा पत्तन व्यय। तदनुसार निर्यात कीमत निम्नानुसार बैठती है:-

देश	यूएस डालर/किग्रा.
ताईवान	***
वगकांग	***
इंडोनेशिया	***
ओमान	***
सिंगापुर	***
थाइलैंड	***
यू ए ई	***

7.5 प्राधिकारी ने जांच अवधि के लिए डीजीसीआई एंड एस के आंकड़ों पर भरोसा किया है और समायोजनों के पश्चात् तदनुसार निर्यात कीमत (कारखाना-गत स्तर पर) निकाली गई है।

8.0 पाटन मार्जिन:- तुलना से संबंधित नियमों में सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना के लिए निम्नानुसार प्रावधान है:-

"पाटन का मार्जिन निकालते समय निर्दिष्ट प्राधिकारी निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य के बीच एक उचित तुलना करेगा। यह तुलना व्यापार के एक समान स्तर पर, सामान्यता कारखाना द्वार स्तर पर की जाएगी और यथासंभव उसी समयावधि के दौरान की गई विक्रियों के संबंध में की जाएगी। जो अंतर कीमत तुलनीयता पर प्रभाव डालते हैं, उनके लिए प्रत्येक मामले में गुण-दोष के आधार पर उचित छूट दी जाएगी। उक्त अंतर में बिक्री की शर्तें, कराधान, व्यापार के स्तर, मात्राएं, भौतिक विशेषताएं तथा अन्य ऐसे अंतर शामिल हैं, जो कीमत तुलनीयता को प्रभावित करने के लिए प्रदर्शित किए जाते हैं-

8.1 जैसाकि ऊपर विचार किया गया है सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के % के रूप में निम्नानुसार निर्धारित किया गया है:-

सम्बद्ध देश	यूएस डालर/प्रति किग्रा.	यूएस डालर/प्रति किग्रा.	पाटन मार्जिन%	पाटन मार्जिन%
ताइवान	***	***	***	73.68
हांगकांग	***	***	***	61.77
इंडोनेशिया	***	***	***	72.57
ओमान	***	***	***	47.86
सिंगापुर	***	***	***	81.48
थाईलैंड	***	***	***	88.54
यू ए ई	***	***	***	54.76

8.2 सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत के बीच उचित तुलना के उद्देश्य से प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा दी गई सूचना तथा अपने पास उपलब्ध अन्य प्रकाशित सूचना पर विचार किया है। जैसाकि सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण ऊपर बताए गए अनुसार, कारखाना-गत स्तर पर किया गया है।

झ. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

9.0 उपरोक्त नियम 11, अनुबंध-II के तहत क्षति के बारे में किसी निष्कर्ष पर पहुँचा जाता है तो इस प्रकार के निष्कर्ष में ".....पाटित आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में समान वस्तुओं की कीमतों पर उनके प्रभाव तथा इस प्रकार की वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण शामिल होगा ।" कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह जांच करना आवश्यक समझा जाता है कि पाटित आयातों के कारण भारत में समान वस्तुओं की कीमत की तुलना में कीमत में कोई उल्लेखनीय गिरावट आई है अथवा नहीं अथवा क्या इस प्रकार के आयातों से कीमतों में अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक गिरावट आई है, अथवा कीमत वृद्धि में अन्यथा रूकावट आई है जो कि अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक बढ़ गई होती ।

9.1 नियमों के अनुबंध-II के नियम (iii) में यह व्यवस्था है कि जिस मामले में किसी उत्पाद का आयात एक से अधिक देशों से हुआ हो और उनकी एक साथ पाटनरोधी जांच हो रही है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी रूप से आकलन करेगा । तथापि, ऐसा मूल्यांकन केवल तभी किया जा सकता है जब यह तय हो जाता है कि

- क) प्रत्येक देश से किए गए आयातों के बारे में पाटन मार्जिन निर्यात मूल्य के प्रतिशत के रूप में व्यक्त 2 प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से किए गए आयातों की मात्रा भारत में समान वस्तु के आयातों का 3 % है ; और
- (ख) आयातित वस्तु और समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को देखते हुए आयातों के प्रभावों का संयची से मूल्यांकन करना उचित है ।

9.2 प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन मार्जिन और संबद्ध देशों से किए गए आयातों की मात्रा उक्त निर्धारित सीमा से अधिक है । आयातों के प्रभावों का संयची मूल्यांकन करना उचित है क्योंकि संबद्ध देश की निर्यात कीमतों की प्रतिस्पर्धा सीधे भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत कीमतों से हो रही थी ।

9.3 आयातों की मात्रा

आयात	जांच अवधि 18 माह	
	मात्रा/किग्रा0	हिस्सा
चीनी ताइपेई	420260	10.1 %
हांगकांग	191614	4.6%
इंडोनेशिया	459219	11.0%
सिंगापुर	145231	3.5%
थाइलैंड	429234	10.3%
ओमान	405490	9.7%
यूएई	107682	2.6%
कुल संबद्ध देश	2158730	51.7%
अन्य	2015341	48.3%
कुल	4174071	100.0%

जैसाकि उपरोक्त से देखा गया है, यूएई को छोड़कर संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा न्यूनतम निर्धारित सीमा से अधिक है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि यूएई से आयातों की मात्रा 2.6% है जोकि 3% के न्यूनतम निर्धारित स्तर से कम है। जांच अवधि के दौरान यूएई से हुए आयातों की मात्रा न्यूनतम से कम रही है और इसलिए प्राधिकारी यूएई से हुए आयातों के संबंध में पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करना उचित नहीं समझते हैं। इन परिस्थितियों में, अंतिम निर्धारण होने तक प्रारंभिक निष्कर्षों के प्रयोजनार्थ यूएई देश को इस पाटनरोधी जांच के दायरे से बाहर रखा गया है।

9.3 आयातों की मात्रा और बाजार हिस्सा:

देश	1997-98	1998-99	1999-00	4/00से 9/00	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिक
संबद्ध देश	205472	637974	1775323	275725	2051048	1367365
अन्य देश	846445	1411910	1490639	632384	2123023	1415349
देश के कुल आयात	1051917	2049884	3265962	908109	4174071	2782714
भारतीय उत्पादकों की बिक्री	35248000	39973000	39341000	21991000	61332000	40888000
देश में मांग	36299917	42022884	42606962	22899109	65506071	43670714
कुल आयातों में संबद्ध देश का हिस्सा(%)	19.5 %	31.1 %	54.4 %	30.4 %	49.1 %	49.1 %
मांग में बाजार हिस्सा						
संबद्ध देश	0.6 %	1.5 %	4.2 %	1.2 %	3.1 %	3.1 %

अन्य देश	2.3 %	3.4 %	3.5 %	2.8 %	3.2 %	3.2 %
घरेलू उद्योग	97.1 %	95.1 %	92.3 %	96.0 %	93.6 %	93.6 %
	100.0 %	100.0 %	100.0 %	100.0 %	100.0 %	100.0 %

जैसाकि उपरोक्त से देखा गया है, जांच अवधि के दौरान (वार्षिक) संबद्ध देशों (यूआई को छोड़कर) से आयातों की मात्रा में वर्ष 1997-98 की तुलना में समग्र रूप से वृद्धि हुई है। प्रतिशत के रूप में भी आयात 1997-98 में 19.5% से बढ़कर 49.1 % हो गए हैं। मांग में संबद्ध देशों का बाजार हिस्सा, जो 1997-98 में 0.6% था, जांच अवधि के दौरान बढ़कर 3.1% हो गया और इसी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का हिस्सा 97.1% से घटकर 93.6% रह गया।

9.4 उत्पादन

जांच में भागीदार कंपनियों का उत्पादन निम्नानुसार है:-

97-88	98-99	99-00	जांच अवधि(18माह)	जांच अवधि(वार्षिक)
8817 *	13796	15674	26271	17514

* उत्पादन केवल एक भागीदार एकक के संबंध में है।

यह देखा जा सकता है कि जांच में भागीदार कंपनियों का उत्पादन उक्त अवधि में बढ़ा है। तथापि, उत्पादन में वृद्धि को मै. फ्लैक्स इंडस्ट्रीज द्वारा उत्पादन शुरू करने और उद्योग की उत्पादन लागत और बिक्री प्राप्ति के साथ-साथ देखा जा सकता है। यद्यपि, उत्पादन में वृद्धि हुई है, तथापि उद्योग उस कीमत पर अपने उत्पाद को बेचने में सक्षम नहीं रहा है जिसपर उत्पादन की पूरी लागत की प्राप्ति हो सके। इसलिए, उत्पादन में वृद्धि के परिणामस्वरूप इसके घाटे में वृद्धि हुई है।

9.5 क्षमता उपयोग

भागीदार कंपनियों का क्षमता उपयोग निम्नानुसार है:-

संस्थापित क्षमता:

1997-98 के दौरान 11500 मीट्रिक टन और
1999-00 से आगे 26500 मीट्रिक टन

97-88	98-99	99-00	जांच अवधि(18माह)	जांच अवधि(वार्षिक)
76.67 %	52.06 %	55.00 %	74.36 %	61.54 %

यह स्पष्ट है कि उद्योग के क्षमता उपयोग में वृद्धि हुई है। जैसाकि पूर्ववर्ती पैरा में उल्लेख किया गया है कि यद्यपि उत्पादन में वृद्धि हुई है तथापि उद्योग उस कीमत पर अपने उत्पाद को बेचने में सक्षम नहीं रहा है जिसपर उत्पादन की पूरी लागत की प्राप्ति हो सके।

9.6 बिक्रियां

भागीदार कंपनियों की बिक्री मात्रा निम्नानुसार है:-

97-88	98-99	99-00	जांच अवधि(18माह)	जांच अवधि(वार्षिक)
11396	11617	12228	21809	14540

जैसाकि उपरोक्त से देखा गया है, भागीदार एकांकी की बिक्रियों में उक्त अवधि में वृद्धि हुई है।

9.7 आयातों की पहुंच कीमत और बिक्री कीमत

वर्ष	बिक्री कीमत भारत औसत	पहुंच कीमत भारत औसत	संबद्ध देशों से न्यूनतम पहुंच कीमत
1997-98	101.58	116.4	91.22
1998-99	65.68	87.35	75.67
1999-00	85.61	72.27	55.80
जांच अवधि वार्षिक	88.39	75.52	68.01

उपरोक्त से देखा गया है कि गत वर्षों में पहुंच कीमत में गिरावट आती रही है। संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत में परिवर्तनों के विषयानुपाती पिछले वर्षों में बिक्री कीमत में भी गिरावट आई है। संबद्ध वस्तु की बिक्री कीमत और पहुंच कीमत के बीच तुलना से यह नोट किया जाता है कि भागीदार कंपनियों ने 1999-2000 में कीमतों में बढ़ोतरी की थी जो उत्पादन लागत में तेजी से हुई वृद्धि का परिणाम थीं। तथापि, उत्पादन लागत में हुई वृद्धि जांच अवधि के दौरान बिक्री कीमत में हुई वृद्धि से अधिक थी।

संबद्ध देशों से हुए पाटित आयातों के कारण भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में पर्याप्त कटौती हो रही है।

9.8 रोजगार

भागीदार कंपनियों के रोजगार स्तर में खराब संचालन स्तर की वजह से कोई खास परिवर्तन नहीं आया है।

9.9 निष्कर्ष

निम्नलिखित मानदण्डों से प्रथम दृष्टया यह संकेत मिलता है कि घरेलू उद्योग को पाटित आयातों के कारण क्षति हुई है:

- संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा में पर्याप्त वृद्धि हुई है और इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग उस स्थिति में नहीं था कि वह अपनी बिक्री कीमत को उचित स्तर तक बढ़ा सके ;

- संबद्ध देशों से आयातित वस्तुओं का बाजार हिस्सा बढ़ा है ;
- भारतीय बाजार में निर्यातक द्वारा निर्यात कीमत में कमी संबद्ध देशों से पहुंच मूल्य में गिरावट का प्रत्यक्ष परिणाम है ;
- संबद्ध देशों से आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों से पर्याप्त रूप से कम है जिसके परिणामस्वरूप कीमतों में भारी कटौती हुई है ;
- घरेलू उद्योग के सामने बिक्री कीमतों को इष्टतम स्तर तक बढ़ाने में मुश्किल रही है ;
- घरेलू उद्योग को उत्पादन लागत से कम पर बिक्री करने के लिए बाध्य किया गया है । घरेलू उद्योग को हुई भारी वित्तीय हानि इसका प्रत्यक्ष परिणाम है ।
- जांच अवधि के दौरान यू ए ई से हुए आयातों की मात्रा न्यूनतम से कम रही है ।

उपरोक्त को देखते हुए, प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति यू ए ई भिन्न संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण हुई है ।

10.1 संबद्ध देशों से आयात पाटित कीमतों पर किए जा रहे हैं । अन्य देशों से आयात काफी उच्च कीमतों पर हुए हैं या इसकी मात्रा न्यूनतम से कम रही है । इसलिए, अन्य देशों से हुए आयातों से भारतीय उद्योग को कोई क्षति नहीं हो रही है ।

10.2 भारत में बी ओ पी पी फिल्म की मांग 42 43000 मी० टन प्रति वर्ष के स्तर पर स्थिर रहती है। घरेलू उद्योग के पास भारत में बीओपीपी फिल्म की समूची मांग को पूरा करने हेतु पर्याप्त क्षमता है। इसलिए, मांग में आए परिवर्तनों के कारण घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है।

10.3 याचिकाकर्ताओं ने दोहराया है कि भारत में बीओपीपी फिल्म उद्योग इतना पुराना नहीं है जिसे प्रौद्योगिकी विकास के कारण कोई क्षति पहुंच सकती है। उद्योग ने नवीनतम उपलब्ध प्रौद्योगिकी का प्रयोग किया है और इसे अद्यतन बनाने के लिए सतत प्रयास किए गए हैं। वस्तुतः, भारत विकसित देशों के बीओपीपी फिल्म का निर्यात करने वाला एक प्रमुख देश है जहां उत्पादन सुविधाएं भी मौजूद हैं।

11.0 भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे:

11.1 पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य समान्यतः ऐसे पाटन को समाप्त करना है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति पहुंच रही है और भारतीय बाजार में एक खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को बहाल करना है, जो देश के सामान्य हित में है।

11.2 यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से सम्बद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित होंगे और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, पाटनरोधी उपायों को लमाने से पाटन द्वारा प्राप्त किए गए अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का ह्रास रुकेगा और इस प्रकार संबद्ध वस्तुओं

के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी । पाटनरोधी उपायों को लागू करने से सम्बद्ध देश से होने वाले आयात किसी भी प्रकार कम नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा ।

11.3 प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए क्षमता उपयोग के इष्टतम स्तर पर उत्पादन की अधिकतम लागत पर विचार करके भारत में घरेलू उद्योग के लिए बीओपीपी फिल्म की उचित बिक्री कीमत का निर्धारण किया है ।

12.0 निष्कर्ष

पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात् प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:-

- संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित बीओपीपी फिल्म का भारत को सामान्य मूल्य से कम कीमत पर निर्यात किया गया है जिससे पाटन हुआ है:
- घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ।
- यह क्षति संचयी रूप से संबद्ध देशों से हुए आयातों के कारण हुई है ।
- जांच अवधि के दौरान यू ए ई से हुए आयातों की मात्रा न्यूनतम से कम रही है और इसलिए प्राधिकारी अंतिम निर्धारण होने तक प्रारंभिक निष्कर्षों के प्रयोजनार्थ यू ए ई से हुए आयातों के संबंध में पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करना उचित नहीं समझते हैं ।

यह आवश्यक समझा जाता है कि जांच होने तक संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित बीओपीपी फिल्म के सभी आयातों पर अंतिम निर्धारण होने तक अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए ।

- 13.0 तदनुसार, इसलिए प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से बी ओ पी पी फिल्म पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करने का निश्चय किया है । यह पाटनरोधी शुल्क इस संबंध में केन्द्र सरकार द्वारा जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से सीमाशुल्क टैरिफ के अध्याय 39 के अंतर्गत आने वाली संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित बी ओ पी पी फिल्म के सभी आयातों पर अन्तिम निर्धारण होने तक नीचे कॉलम (3) में उल्लिखित राशि होगी ।

संबद्ध देश	निर्यातक	राशि अमरीकी डालर/कि०ग्रा०
ताईवान	सभी निर्यातक	0.70
हांगकांग	सभी निर्यातक	0.63
इंडोनेशिया	सभी निर्यातक	0.82
ओमान	सभी निर्यातक	0.56
सिंगापुर	सभी निर्यातक	0.88
थाईलैंड	सभी निर्यातक	0.85

14. इस उद्देश्य के लिए आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9 तथा 9क के तहत लगाए गए अतिरिक्त सीमाशुल्क के छोड़कर सभी प्रकार के शुल्कों सहित सीमाशुल्क अधिनियम 1962 के अधीन सीमाशुल्क द्वारा यथा आकलन योग्य मूल्य होगा ।
15. प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्त्ताओं तथा अन्य ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को अलग से लिखा जा रहा है, जो इस अधिसूचना के प्रेषण की तारीख से 40 दिनों के अंदर अपने विचार प्रस्तुत कर सकते हैं । कोई दूसरी इच्छुक पार्टी भी अपने विचार इन निष्कर्षों के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर दे सकती है ।

एल. वी. सप्ताक्रपि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

PRELIMINARY FINDINGS NOTIFICATION

New Delhi, the 14th August, 2001

Subject : Initiation of Anti-dumping investigations concerning imports of BIAXALLY ORIENTED POLY PROPYLENE FILM (BOPP) from Taiwan, Hong Kong, Indonesia, Oman, UAE, Singapore and Thailand.

No. 21/1/2001-DGAD.— Government of India having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury), Rules, 1995, thereof:

A. PROCEDURE

1. The procedure described below has been followed with regard to the investigations:

- i. The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the Rules, received written application from M/s.BOPP Film Producers Association, NOIDA, UP c/o Flex Industries Ltd. A-1, Sector 16 NOIDA-201301 on behalf of domestic industry alleging dumping of BOPP film originating in or exported from Taiwan, Hong Kong, Indonesia, Oman, UAE, Singapore and Thailand. (hereinafter referred to as subject countries).
- ii. The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the petitioners, decided to initiate investigation against import of BOPP film from subject countries. The Authority notified Taipei Economic and Cultural Center, New Delhi and the Embassies of subject countries in India about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate the investigations in accordance with the sub-rule 5(5) of the Rules.
- iii. The Authority issued a public notice dated 30th May, 2001 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigations concerning imports of BOPP film, classified under heading 3920.20 of Schedule 1 of the Customs Tariff Act 1975 and No.3920.20.00 under Indian Trade Classification (based on Harmonised Commodity Description and Coding System) originating from subject countries. The classification is however, indicative only and in no way binding on the present classification.

- iv. The Authority forwarded a copy of public notice to known exporters whose details were made available by the petitioners and industry associations and gave them an opportunity to make their views known in writing in accordance with the Rule 6(2).
- v. Authority forwarded a copy of public notice to the known importers of subject goods in India and advised them to make their views known in writing within 40 days from the date of the letter.
- vi. Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of BOPP film for the past three years, including the period of investigation.
- vii. Authority provided a copy of petition to known exporters and the Taipei Economic and Cultural Centre in India and embassies of subject countries in India in accordance with Rule 6(3) supra.
- viii. Authority sent Questionnaire, to elicit relevant information to the following known exporters in accordance with the rule 6(4);

1. M/s. Trais Sentosa PT, Indonesia
2. M/s. Argha Karya Prima Industry PT.
3. M/s. Polidayaguna Perkasa PT
4. M/s. Fartrapolindo Nusa Industri PT
5. M/s. INA Multi Intipack Pt, Indonesia
6. M/s. Genius Dragon Industrial Ltd., Hongkong
7. M/s. Omap Plastic Industry LLC, Oman
8. M/s. Al Khalji Polypropylene Product Company, Oman
9. M/s. Kaisers International Corporation, Taiwan
10. M/s. Chiui Lin Plastic Co.Ltd., Taiwan
11. M/s. Senior Technology Pte.Ltd., Singapore
12. M/s. Toyo Pkg Industrial Pte. Ltd., Singapore
13. M/s. Aj Plastic Public Ltd., Thailand
14. M/s. Thai Film Industries Public Co.Ltd. Thailand
15. M/s. Dubai Polyfilm Ltd., UAE

ix. Taipie Economic and Cultural Centre in New Delhi and embassies of subject countries in New Delhi were informed about the initiation of investigation in accordance with rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, petition and questionnaire sent to the exporters was also sent to them alongwith the list of known exporters and producers from the subject countries.

The questionnaire was sent to following importers of BOPP Film in India calling for necessary information in accordance with rule 6(4).

1. M/s. Sanghi Industries, Sanghi Nagar, AP
2. M/s. R. Thangarajan & Co., Sivakasi
3. M/s. Esem Technologies (P) Ltd., Chennai
4. M/s. Pooja Enterprises, Chennai
5. M/s. Amin Polyfilms, Ahmedabad
6. M/s. Trinity Trade, Ahmedabad
7. M/s. Nirma Ltd., Ahmedabad
8. M/s. Swati Polymer, Pali
9. M/s. Shikha PKG, Pali
10. M/s. Jurgyan Industries, Jabalpur
11. M/s. Navkar Agencies
12. M/s. Gujarat Polymers, Mumbai
13. M/s. Jagmag Decoratives Products Pvt. Ltd., Mumbai
14. M/s. Mexim Adhesive Tapes P Ltd., Mumbai
15. M/s. Shanti Patra Plastics Pvt. Ltd., Daman
16. M/s. Almec Industries, Daman
17. M/s. Windsor Packaging P. Ltd., Ropar
18. M/s. Mahalaxmi Packaging, NOIDA
19. M/s. Reliable Insupacks P. Ltd., Gautam Budh Nagar
20. M/s. Vimal Hi-tech Pvt. Ltd., GT Road.
21. M/s. S.B. Packagings Ltd, New Delhi
22. M/s. Vacmet Packaging (I) Pvt. Ltd. Agra
23. M/s. Natraj Album Ind. Pvt. Ltd., Delhi
24. M/s. Super Cassette Industries Ltd. NOIDA
25. M/s. Sun Control Systems, New Delhi
26. M/s. Rollatainers Ltd., NOIDA
27. M/s. Tina Sales Corporation, New Delhi

- xi. Additional information regarding injury was sought from the petitioner, which was also received.
- xii. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- xiii. The Authority sought and verified information deemed necessary for the investigation.
- xiv. The Authority also conducted cost investigation (based on the information received) and worked out optimum cost of production/cost to make and sell in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles.
- xv. The investigation covers the period of 1st April, 1999 to 30th September, 2000 (18 months).
- xvi. ***in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules;

B. PETITIONERS VIEW

- 2.1 The petitioners have stated that the domestic industry has witnessed dumping of BOPP film in the Indian market for the past some time.

- 2.1.1 The exporters from the subject countries are selling the product in the Indian market at a price which are significantly below the selling price of Indian producers. The petitioners have also stated that they have not been able to sell its product by increasing their prices. The profitability of industry has got seriously eroded.
- 2.1.2 They have reiterated that Taiwan, UAE, Oman are known non-market economies and hence the normal value to be determined on the basis of amended rules vide custom notification no.28/2001(NT) dated 31.5.2001.
- 2.1.3 Petitioners have clarified that ' BOPP Film Producers Association' should be read as 'Association of BOPP Manufacturers'.

C VIEWS OF EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES

3.0 Exporters / Importers

3.1.1 Thai Film Industries Public Co.Ltd., Thailand

The exporters have stated that their product BOPP film was sold to India at a moderate price at the same level as sold to Asian countries during the period of investigation.

- 3.1.2. The price of product exported to Europe, USA and Australia was acceptable price for the same product.

The lowest price of BOPP film was in Hongkong and China which was substantially less than Indian export price, but in larger quantities. Accusing of dumping into India is not accurate and it is not based on facts what actually happened during POI.

3.1.3 The exporters have also stated that they are world class exporters of BOPP film for more than 10 years and they do not have any reason and gain to sell BOPP film to India at a lower price than world market.

3.1.4 They have also stated that they totally disagree with the anti dumping action by the Authority and have no interest in taking further action from their side.

3.2.0 AJ Plast Public Co.Ltd. ,Thailand. have stated that they have never supplied the films of any kind into Indian market during the period of investigation.

3.3.0 M/s.Al Khaliy Polyproplene products Co. (SAOG), Oman and M/s. Dubai Polifilms LLC, Dubai requested for extension of time for filing the response in the prescribed questionnaire. The Designated Authority allowed the exporters to respond on or before 20th July, 2001. Both the exporters have not furnished the information in the form and manner prescribed.

3.4.0M/s. Kaiser International Corporation, Taiwan

The exporter has furnished information which is grossly inadequate. Authority notes that many of the column in Appendix 1 to 8 has not been completed and the information furnished is not in the form and manner prescribed. In the circumstances, Authority has not considered the information furnished for the purpose of preliminary findings.

3.5.1 Director General of Industry and International Trade Cooperation, Ministry of Industry and Trade, Indonesia, Jakarta.

As regards the standing of petitioners in the investigation they have stated that the association has filed the petition on behalf of only two producers which represent over 50% of production in India. And have indicated their apprehension on conditional exclusion of Kabra plastics as they are importers of subject goods.

3.5.2 As regards to normal value they have stated that no evidence or explanations have been given on determination of normal value for Indonesia.

3.5.3 They have stated that the review of the industry indicators of complainant suggests that the industry is performing well. Although it is alleged that, over all sales realisation were affected as a result of alleged dumped imports it is unclear whether complainant suffered reduced profits or financial losses.

3.5.4 According to Independent reports available on BOPP sector in India the mention is made of a chronic over-capacity that made worse by the clinical nature of exports market. They have requested the Indian Authority to examine most carefully the causality as the injury claims appear to be self-inflicted.

3.6.1 Department of Foreign Trade, Thailand:

They have stated that the petitioner has not been able to obtain authentic evidence either for domestic market or for export

market. The Department of Foreign Trade has submitted that the market in Thailand for the subject goods is transparent and price information is readily available.

3.6.2 The Department of Foreign Trade have cited that the petition has been filed on behalf of BOPP Association which cover about 92% of Indian capacity of producing BOPP film yet the petitioner constituted a mere 50% of total production. Further M/s. Kabra Plastics Ltd. is excluded as it is an importer of the subject goods.

3.6.3 The allegation that the complainant suffered reduced financial losses as a result of alleged dumped imports is ambiguous as some of the parameters suggest that sales and production has increased. The Department of Foreign Trade has requested Designated Authority to closely examine all factors in establishing causality. As they feel that the problem lies in over capacity in Indian industry and lack of responsiveness of the complainant concern to market circumstances.

3.7.0 Adhesive Tape Mfrs.Association (ATMA) Mumbai.

The association have stated that their concern with the BOPP film suitable for manufacture of adhesive tape which cover thickness ranging from 22 to 30 microns. BOPP film is the major raw material for adhesive tape grade film and is met mainly through Indian manufacturers.

3.7.1 The Association has requested to exclude BOPP film (Adhesive tape grade) from the purview of anti-dumping investigations.

Since there is very little import of BOPP film (adhesive tape grade) into the country. The Association has requested that they may be made interested parties in the investigation.

3.8.1 MEXIM ADHESIVE TAPE PVT.LTD, MUMBAI

The importers have requested that anti-dumping duty must not be imposed on BOPP Film. The importers have cited that local manufacturers of BOPP film are selling at cheaper rates than imported material.

3.8.2 BOPP film market has grown with steady pace of more than 20% per annum. There is no capacity addition by the manufacturers since 1999. New capacity addition in this stream is not likely to start before April, 2002.

3.8.3 The importers have also alleged that the indigenous manufacturers have found a cartel which decided pricing of subject goods from time to time.

3.9.0 Natraj Album Industries Pvt. Ltd.:

The importers/users have stated that there seems to be no case of dumping of BOPP films into India by said countries and levy of anti-dumping duties on BOPP film will harm the interest of users of subject goods.

3.10 Examination by the Authority:

As regards to claim made by the Adhesive Tape Manufacturers Association, Mumbai, for exclusion of BOPP film (Adhesive Grade), Authority notes that the Association has not furnished any corroborative evidence to justify its claim with their submission for consideration. In the circumstances, Authority does not consider appropriate to exclude for the purpose of preliminary findings pending final determination.

4.0 Product under consideration :

4.1.1 The product under consideration in the petition, alleged to being dumped by the exporters/producers from Taiwan, Hongkong, Indonesia, Oman, Singapore, Thailand and UAE is Biaxially Oriented Poly Propylene Film, generally known as BOPP Film in market parlance and referred to as BOPP Film in this investigation. BOPP Film is a high performance biaxially oriented, special film made from Poly Propylene. BOPP Film is produced in a wide variety of forms and types which are employed for a large range of end-use applications. BOPP Film is produced on various types of production lines, which are differentiated by a number of technical features including the Film thickness and width, the feeding process and the formula of fillers, the production environment conditions as well as certain specific capabilities such as on-line coating or co-extrusion. Mainly depending on the combination of line capabilities. BOPP Film can be commodity-type or specialty type.

4.1.2 There remains relation between film thickness and intended use, but other parameters are also relevant in respect of the individual application fields. In general, production lines are designed to cover certain ranges of BOPP Film which are intended for one or more specific applications fields. Therefore, supply-side substitutability considerations lead to segmentation of the BOPP Film market into various categories of BOPP Film application. The thickness and width vary as per customer requirements and can differ by as much as 4 gauge or 1

micron. Gauge or micron is an indicator of the thickness of the BOPP Film. The higher the gauge, the higher the thickness.

4.1.3 BOPP Film is primarily used by the packaging industry. It is used mainly in Packaging, Adhesive tapes, Capacitors, Synthetics paper, Metallising, Textiles outwrapping, Lamination, Reverse printing, Twist wrapping, Cigarette wrapping etc..

4.1.4 General properties of BOPP Film are described in terms of its thickness, grammage, film density, haze, tensile strength, elongation of break, modulus of elasticity, etc.

4.1.5 BOPP Film is produced by extrusion method (Poly propylene is the basic raw material required for production of BOPP Film). Poly propylene is extruded to obtain BOPP Film.

5.0 LIKE ARTICLE:

Definition of Like Article states as under:

"Like Article means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation."

5.1 There is no significant difference in BOPP Film produced by the Indian industry and BOPP Film exported from the subject countries, . BOPP Film produced by the Indian industry and imported from subject countries are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product

specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two closely resemble each other. The two are technically and commercially substitutable. The consumers have used the two interchangeably. BOPP Film produced by the petitioner should be treated as like articles to BOPP imported from subject countries in accordance with the anti-dumping Rules.

G Domestic Industry:

- 6.1 The petition has been filed by M/s. BOPP Film Producers Association New Delhi, on behalf of the domestic industry. The petitioners have claimed that participating units namely M/s Flex Industries Ltd, Delhi and M/s Gujrat Propack, Limited , Baroda accounts for majority of the production during the period of investigation. M/s Kabra Plastics Limited, which is a producer of BOPP film, is a leading importer of the subject goods as well as related to one of the leading importers of the subject goods. The participating companies, therefore, constitute domestic industry within the meaning of Indian Anti dumping Rules and satisfy the standing to file the petition on behalf of the domestic industry under aforesaid Rules.
- 6.2 In light of the foregoing, the Authority concludes that the petitioner has the standing to file the petition on behalf of the domestic industry under the rules.

H Dumping:

7.0 Under Section 9A (1)(c), normal value in relation to an article means:

- (i) "the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular mark situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-
 - (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
 - (b) the cost of production of the said article in the country of origin alongwith reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin".

7.1 Authority notes that M/s.Thai Film Industries Public Co.Ltd., Thailand have stated that they totally disagree with anti-dumping investigation and have indicated that they have no interest for further action from their side. In the circumstances, the exporter has been treated as non-cooperative for this investigation. Further, Authority notes that none of the responding exporters have provided response to the Questionnaire in the form and manner prescribed. Hence, the Authority is constrained to proceed with the best information available on record.

Normal Value:

- 7.2 The petitioner claims that it is not feasible for them to obtain the domestic prices prevailing in subject countries in view of the market conditions in those countries. The normal value has been constructed on the basis of cost of production of subject goods duly adjusted to include selling, general and administrative expenses and a reasonable profit margin.
- 7.3 In the absence of cooperation of any of the exporters within the stipulated time authority relies upon the claims made by the petitioners with regard to constructed normal value in the subject countries and the best available information on record. Accordingly normal value has been arrived as under:-

Name of Country	US \$/Per kg
Taiwan	***
Hongkong	***
Indonesia	***
Oman	***
Singapore	***
Thailand	***
UAE	***

Export Price:

- 7.4 The petitioners have provided the export price as per the DGCI&S, Calcutta for the period of investigation and claimed export price based on the above. Petitioners have indicated the following adjustments to the CIF price to arrive at the ex-factory

export price namely, ocean freight, landing charges, marine insurance, commission, inland freight and port expanses. Accordingly the export price arrived as under:

Country	US \$/Per kg.
Taiwan	***
Hongkong	***
Indonesia	***
Oman	***
Singapore	***
Thailand	***
UAE	***

7.5 The Authority relies upon DGCI&S statistics for the period of investigation and the export price (Ex-factory level) has been accordingly arrived at after adjustments.

8.0 Dumping Margin: The Rules relating to comparison provides comparison of normal value and export price provides as follows:

“While arriving at margin of dumping, the designated authority shall make a fair comparison between the export price and the normal value. The comparison shall be made at the same level of trade, normally at the ex-works level, and in respect of sales made at as nearly as possible the same time. Due allowance shall be made in each case, on its merits, for differences which affect price comparability, including differences in conditions and terms of sales, taxation, levels of trade, quantities, physical characteristics, and any other differences which are demonstrated to affect price comparability”.

- 8.1 Considering the normal value and export price as discussed above the dumping margin determined as a % of export price is as under:-

Subject Country	Normal Value US \$/Per kg	Export Price US \$/Per kg.	Dumping Margin	Dumping Margin %
Taiwan	***	***	***	73.68
Hongkong	***	***	***	61.77
Indonesia	***	***	***	72.57
Oman	***	***	***	47.86
Singapore	***	***	***	81.48
Thailand	***	***	***	88.54
UAE	***	***	***	54.76

- 8.2 For the purpose of fair comparison between normal value and export price the Authority took into account the information furnished by the petitioner and other published information available with the Authority. The normal value and export price determined as detailed above is at ex-factory level.

I INJURY & CAUSAL LINK:

- 9.0 Under Rule 11 supra, Annexure-II, When a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, "... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is

otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred, to a significant degree;

9.1 Rule (iii) of the Annexure II to the Rules requires that in case imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigation, The Authority will cumulatively assess the effect of such imports. Such assessment can be, however, made only if it is determined that:

a) the margin of dumping in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the import of the like article in India, and

b) the cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic article.

9.1 The Authority notes that the margin of dumping and quantum of imports from subject country are more than the limits prescribed above. Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate since the export prices from the subject country were directly competing with the prices offered by the domestic industry in the Indian market.

9.2 Imports Volume :

Imports	POI 18 months	
	Qty/Kg	Share
Chinese Taipei	420260	10.1%
Hongkong	191614	4.6%
Indonesia	459219	11.0%
Singapore	145231	3.5%
Thailand	429234	10.3%
Oman	405490	9.7%
UAE	107682	2.6%
Total Subject Countries	2158730	51.7%
Others	2015341	48.3%
Total	4174071	100.0%

As seen from the above the volume of imports from subject countries are above de minimis except in respect of UAE. The Authority notes that the volumes of imports from UAE is 2.6% which is below de minimis level of 3%. The volume of imports from UAE during the period of investigation is de minimis and therefore the Authority doesnot consider appropriate to recommend anti dumping duty with respect to imports from UAE. In the circumstances, the country UAE is taken out of the purview of this anti dumping investigations for the purpose of preliminary findings pending final determination.

9.3 Volume of Imports and Market Share:

in Kg

Country	1997-98	1998-99	1999-00	4/00 to 9/00	POI	POI Annu
Subject Countries	205472	637974	1775323	275725	2051048	1367365
Other Countries	846445	1411910	1490639	632384	2123023	1415349
Total Imports to Country	1051917	2049884	3265962	908109	4174071	2782714
Sale of Indian Producers	35248000	39973000	39341000	21991000	61332000	40888000
Demand in the Country	36299917	42022884	42606962	22899109	65506071	43670714
<i>Share of Subject Country in Total Imports (%)</i>	<i>19.5%</i>	<i>31.1%</i>	<i>54.4%</i>	<i>30.4%</i>	<i>49.1%</i>	<i>49.1%</i>
Market Share in Demand						
Subject Countries	0.6%	1.5%	4.2%	1.2%	3.1%	3.1%
Other Countries	2.3%	3.4%	3.5%	2.8%	3.2%	3.2%
Domestic Industry	97.1%	95.1%	92.3%	96.0%	93.6%	93.6%
	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%

As seen from the above, the volume of imports from subject countries (i.e. excluding UAE) have increased in absolute terms during POI (Annualised) over the year 1997-98. In percentage terms also the

volumes have increased from 19.5% in 1997-98 to 49.1%. The market share in demand of subject countries which was at 0.6% in 1997-98 has increased to 3.1% during POI and the share of domestic industry has declined from 97.1% to 93.6% during the same period.

9.4 Production

The production of the participating companies is as under:

(In MT)				
97-98	98-99	99-00	POI (18 mth)	POI (Annualised)
8817*	13796	15674	26271	17514

*Production in respect of one participating units only

It can be seen that production of the participating companies has increased over the period. However, increase in production has to be seen alongwith commencement of production by M/s Flex Industries and the cost of production and sales realization of the industry. Though, the production increased, the industry was not able to sell its produce at a price which permit even recovery of full cost of production. Therefore, the increase in production has resulted in increase of its losses.

9.5 Capacity Utilization

Capacity utilization(%) of the participating companies is as under:

Installed Capacity : 11500MT during 1997-98 ,

26500MT during 1998-99&

28500MT from 1999-2000 onwards

97-98	98-99	99-00	POI (18 mth)	POI Annualised
76.67%	52.06%	55.00%	74.36%	61.45%

It is evident that the capacity utilisation of the Industry has increased. As mentioned in the previous para, though the production increased, the industry was not able to sell its produce at a price which permit even recovery of full cost of production.

9.6 Sales

The sales volume of the participating companies is as under:

(In MT)

97-98	98-99	99-00	POI (18 mth)	POI Annualised
11396	11617	12228	21809	14540

As seen from the above the sales of the participating units have increased over the period. Further, the production and sales volume are directly related to cost of production and sales realization. Export Price from the subject countries have declined resulting in lowering the landed value due to which the sales realisation could not reach upto a fair level.

9.7 Land Price of imports and Selling Price:

(Rs/Kg)

Year	Selling Price Wt. Av.	Landed Price Wt. Av.	Lowest Landed Price from subject countries
1997-98	101.58	116.4	91.22
1998-99	65.68	87.35	75.67
1999-00	85.61	72.27	55.80
POI Annualised	88.39	75.52	68.01

As seen from the above that the landed price have been declining over the past years. The selling price have also been declining over the past years disproportionate to the changes in cost of production of the subject goods. A comparison of sale price

and the landed price of subject goods, it is noted that the participating companies increased the prices in 1999-2000, the same was due to steep increase in the cost of production. However, the increase in the cost of production was more than the increase in the selling price during the period of investigation.

The dumped imports from the subject countries are significantly undercutting the prices of the domestic industry in the Indian market.

9.8 Employment

The employment level in the participating companies has not undergone any significant change due to poor operating levels.

9.9 Conclusion:

The following parameters prima facie indicate that the injury to the domestic industry has been caused from the dumped imports:

- The volume of Imports from the subject countries have increased significantly and as a direct consequence the domestic industry was not in a position to increase its selling price to a fair level;
- The market share of imported goods from subject countries has gone up;

- The decline in the Export Price by the exporter in the Indian market has directly resulted in the decline in the landed value from the subject countries;
- The dumped imports from the subject countries are significantly undercutting the prices of the domestic industry in the Indian market.
- The domestic industry is finding it difficult to increase the selling prices to optimum level;
- The domestic industry has been forced to sell below cost of production. This has directly resulted in severe financial losses to the domestic industry.
- The volume of imports from UAE during the period of investigation is de minimus.

In view of the above, Authority concludes that the material injury to domestic industry has been caused by the dumped imports from subject countries other than UAE.

10.1 The imports from the subject countries is being made at dumped prices. The imports from other countries are at much higher prices or the volumes are de minimus. Imports from other countries are, therefore, not causing injury to the Indian industry.

10.2 The demand of the BOPP Film in India is more or less constant. The domestic industry has sufficient capacity to meet the entire demand of BOPP Film in India. Therefore, the changes in demand have not caused any injury to the Indian industry.

10.3 Petitioners have reiterated that the BOPP Film industry in India is not so old as to have suffered any injury on account of the developments in the technology. The industry has employed the latest available technology and constant efforts are made to update the same. In fact, India is a major exporter of BOPP Film to developed countries, where production facilities also exists.

11.0 Indian Industry's Interest and other issues :

11.1 The purpose of anti dumping duties, in general, is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to reestablish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

11.2 It is recognised that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. Imposition of anti dumping

measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

11.3 The Authority determined reasonable selling prices of BOPP Film in India for the domestic industry, by considering the optimum cost of production at optimum level of capacity utilisation for the domestic industry.

12.0 CONCLUSIONS;

The Authority, after considering the foregoing, concludes that:-

- BOPP Film originating in or exported from subject countries has been exported to India below normal value resulting in dumping;
- The domestic industry has suffered material injury.
- The injury has been caused cumulatively by the imports from the subject countries.
- The volume of imports from UAE during the period of investigation is de minimus and therefore the Authority doesnot consider appropriate to recommend anti dumping duty with respect to imports from UAE for the purpose of preliminary findings, pending investigations.

It is considered necessary to impose anti-dumping duty, provisionally, pending final determination, on all imports of BOPP Film originating in or exported from the subject countries, pending investigations.

13.0 Accordingly, the Authority has therefore, decided to recommend provisional Anti-dumping Duty on BOPP Film from subject countries. The Anti-dumping Duty shall be the amount mentioned in column (3) below from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of BOPP Film originating in or exported from subject countries falling under Chapter 39 of the Customs Tariff, pending final determination.

Subject Country	Exporters	Amount (US \$ /Kg)
(1)	(2)	(3)
Taiwan	All Exporters	0.70
Hong kong	All Exporters	0.63
Indonesia	All Exporters	0.82
Oman	All Exporters	0.56
Singapore	All Exporters	0.88
Thailand	All Exporters	0.85

14.0 Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Section 3, 3A, 8B and 9, 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

15.0 Exporters, importers, petitioners and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the dispatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings.

L. V. SAPTHARISHI, Designated Authority

